एसपी साहब पढ़ रहे हैं कानून की दांव-पेच

पटना | अतुल उपध्याय

एसपी साहब जिलों में अपराध नियंत्रण के लिए अब कानून की बारीकियां भी पढ़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि वे कानून नहीं जानते लेकिन बड़ी जिम्मेदारी और अतिव्यस्त रूटीन के चक्कर में कई ऐसी धाराओं का ध्यान ही नहीं रहता जिनके बूते जमीनी स्तर पर अपराधियों पर नकेल डाली जा सकती है। लिहाजा अब उन्हें टिप्स दिए जा रहे हैं कि सीआरपीसी की फलां-फलां धाराओं को पढ़िए और आजमाइए।

दरअसल राज्य पुलिस मुख्यालय अपराध के कोढ़ के इलाज के लिए कानून की उन धाराओं को आजमाने की कोशिश कर रहा है जिनका उपयोग बिहार में वर्षों पहले पुलिस करती थी। अधिकारी कहते हैं कि यह ठीक वैसे ही है जैसे पुरानी बीमारी को जड़ से

मिटाने के लिए होम्योपैथिक इलाज।

पुलिस मुख्यालय की सलाह पर कई जिलों के एसपी अब सीआरपीसी की उन धाराओं को खंगाल रहे हैं जो जमीनी स्तर पर अपराध नियंत्रण में मददगार हैं। पर्व-त्योहार के दौरान सद्भावना बनाए रखने के लिए साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने वाले तत्वों से कैसे निपटना है। शांति भंग न हो इसके लिए कौन सी धारा लगानी है।

डीजीपी की पहल

- सीआरपीसी धाराओं का बारीकियों से कर रहे हैं अध्ययन
- जमीनी स्तर पर अपराधियों पर नकेल कसने में होगी मददगार
- अपराध को जड़ से मिटाने के लिए पुलिस मुख्यालय की कवायद

नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ कौन सा एक्ट लगेगा वगैरह-वगैरह....।

खास बात यह है कि नए अफसरों को टिप्स देने के लिए डीजीपी अभयानंद खुद पहल कर रहे हैं। और तो और हर दिन अधिकारियों को सीआरपीसी की कुछ खास धाराओं को पढ़ने की सलाह भी दे रहे हैं। सूत्रों की मानें तो बीच-बीच में वे जिलों से एसपी से किसी खास धारा के बारे में पूछ भी बैठते हैं।

लिहाजा अधिकारियों पर यह भी एक प्रेशर है कि धाराओं को पढ़कर ध्यान में रखा जाए। हाल के दिनों में नकली उत्पादों के खिलाफ अभियान भी शुरू किया गया है। ऐसे में कई अधिकारी अब कॉपी राइट एक्ट भी खंगाल रहे हैं। जिनके पास किताब नहीं है वे इंटरनेट का भी सहारा ले रहे हैं। इसी महीने की 19 से 21 तारीख तक पटना में डीएम-एसपी की कांफ्रेंस भी होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसमें मौजूद रहेंगे और विकास कार्यों से लेकर विधि-व्यवस्था तक की समीक्षा होगी। डीजीपी अभयानंद के अनुसार कांफ्रेंस में पुलिस अधिकारियों को स्पीडी ट्रॉयल से लेकर सीआरपीसी की कारगर धाराओं के बारे में भी बताया जाएगा।